नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक ३१९ वि.सं. २०८२ जेठ २६ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४८) [Monday 09 June 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

बजेट प्रभावकारीके लाग लागल बटी: मुख्यमन्त्री शाह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २५ जेठ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके मुख्यमन्त्री कमल बहादुर शाह बजेट निर्माणके क्रममे गतल मनसाय ओ गलत उद्देश्यसे संवाद करुइयाहे कानूनी कार्वाही कैना बटैले बटै ।

अँट्वारके मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषदके कार्यालयमे आयोजित पत्रकार सम्मेलनमे उहाँ शुन्य सहनशिलताके नीति लेहल प्रदेश सरकारहे ओइसीन मेरके वातावरण क्षम्य नैहुइना बटाइल हुइट । उहाँ यदी कोइ ओइसीन मनसमाय बनैले बा कलेसे उ मनसाय ओ दृष्टिकोण त्यागना अनुरोध करले बटै ।

"बजेट निर्माणके क्रममे बजारमे कुछ बात बाहर आइल बावै," मुख्यमन्त्री शाह कहलै, " यद्यपी ठोस प्रमाण आइल नैहो, आइल खण्डमे कानुनी कार्वाही हुइ ।" बजेटहे ढेरसे ढेर व्यक्त करले बटै ।

विज्ञप्तिमे कहल बा, प्रदेशके समग्र विकास, समृद्धि, सुशासन प्रवर्द्धन, भ्रष्टाचार नियन्त्रण, योजना छनोट तथा बजेट विनियोजनके सन्दर्भमे आघेक आर्थिक बरस २०८१/०८२ मे प्रदेश सरकारसे घोषणा करल चार बुँदे प्रतिबद्धताहे यी आर्थिक बरस २०८२/०८३ के बजेटमार्फत उहे बुदाँहे निरन्तरता डेके प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन कैना विषयमे हम्रे स्पष्ट प्रतिबद्ध बटी ।

ओस्टके उहाँ प्रदेश सरकारसे कार्यान्वयन हुइना योजना तथा कार्यक्रमके लाग न्यूनतम २५ लाखसे उप्परके बजेट सिलिङ्ग कायम कैके बजेट विनियोजन कैना, यदि २५ लाखसे कम बजेट विनियोजन करे पर्ना अवस्था आइलमे, कार्य योजनासहित सशर्त अनुदानके रूपमे स्थानीय तहहे वित्तीय हस्तान्तरण कैना लगायत सक्कु मन्त्रालय तथा मातहतके निकाये लागु कैना निर्देशन डेहल बा ।

ओस्टके प्रदेश सरकारसे व्यक्ति, समूह, संस्था, निजी फर्म, कम्पनी वा सहकारी संस्थाहे तोकके बजेट विनियोजन नैकैना, प्रदेश सरकारसे कार्यान्वयन हुइना कौनो फेन योजना उपभोक्ता समिति मार्फत कार्यान्वयन नैकरे डेना निर्देशन डेहल बा ।

प्रभावकारी बनाइक लाग प्रदेश सरकार लागल ओ विशेष कैके भ्रष्टचारके विषयमे प्रश्न नैउठ्ना मान्यताके आधारमे बजेट निर्माणमे जुटल मुख्यमन्त्री शाह स्पष्ट परलै ।

अँट्वारके एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कैटी मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे भ्रष्टाचारके विरुद्ध शून्य सहनशीलताके नीति अवलम्बन कैके सुशासन, जनमुखी ओ जनउत्तरदायी शासन प्रणालीमार्फत विकास ओ समृद्धि प्रति दृढ प्रतिबद्धता

लागु औषधसहित एक जाने नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता । कैलालीके धनगढी उ.म.न.पा.८ भगत चोकसे एक जाने पक्राउ परल बटै ।

धनगढी-८ बैठना बर्ष २३ के राहुल रानाहे शंका लागके चेकजाँच करेबेर ४५० मिलिग्राम लागु औषध खैरो हेरोइनसहित जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे नियन्त्रणमे लेके थप अनुसन्धान हुइटी रहल बा ।

फरार एक प्रतिवादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ जेठ । कैलालीके लम्कीचुहा न.पा.३ चिसापानी बैठना वर्ष ५६ के कलमबहादुर शाही पक्राउ परल बटै ।

फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कैलालीके फैसलासे चेक अनादर मुद्दामे २ बर्ष कैद सजाय तोकल शाहीहे इलाका प्रहरी कार्यालय चिसापानी, कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे हुकाने घर ठेगानासे पक्राउ करल हो ।

आगलागी पीडितहे प्रदेश सरकारसे चालिस लाख सहयोग कैना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २५ जेठ । बाजुराके बुढीगंगा नगरपालिका-६ स्थित बाम्का बजारमे शुकके हुइल आगलागीसे पीडितहे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे तत्काल चालिस लाख आर्थिक सहयोग कैना निर्णय करले बा ।

अँट्वारके रोज मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषदके कार्यालयमे बैठल प्रदेश विपद् जोखिम न्युनीकरण तथा नियन्त्रण परिषद्के बैठकसे बाजुरा आगलागी पीडितके लाग तत्काल बुढीगंगा नगरपालिकाहे चालिस लाख आर्थिक सहयोग कैना निर्णय करल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह बाजुरामे आगलागीसे पीडित हुइल परिवार तथा व्यवसायीहे प्रारम्भिक चरणमे ४० लाख रुपैयाँ सहयोग कैना निर्णय हुइल बटैलै । ओहकान अनुसार आगलागीके थप विवरण प्राप्त हुइल पश्चात प्रदेश सरकारसे थप निर्णय कैना बा । मानविय सहायता स्वरुप तत्कालके लाग प्रदेश सरकारसे सम्बन्धित पालिकाहे उ रकम उपलब्ध करैना ओ पालिकासे मापदण्ड तयार कैके आगलागी पीडितहे रकम उपलब्ध करैना बा ।

जेठ २३ गते बाजुराके बुढीगंगा नगरपालिका-६ स्थित बाम्का बजारमे रहल नवदुर्गा होटलमे ग्यास सिलिन्डर पटकके आगलागी हुइल रहे । साथे प्रदेश सरकारसे मौज्दातमे रहल १५ ठो टेन्ट, ३४ ठो कम्बल ओ ३४ त्रिपाल राहत स्वरुपमे उपलब्ध करैना निर्णय करले बा ।

विद्यालयहे जगगादाता चन्द्रसिंह चौधरी सम्मानित

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ जेठ । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ७ स्थित राष्ट्रिय चन्द्र आधारभूत विद्यालयहे जगगादाता चन्द्रसिंह चौधरी सम्मानित हुइल बटै ।

राष्ट्रिय चन्द्र आधारभूत विद्यालयसे अँट्वारके रोज एक कार्यक्रमके विच उहाँहे सम्मान तथा अभिनन्दन करल हो । कैलारी गाउँपालिकाके अध्यक्ष राजसमझ चौधरी जगगादाता चौधरीहे दोसल्ला ओढाके सम्मान करटी धन्यवाद ज्ञापन समेत करल रहिट । उहाँ कहलै, 'यहाँ धन हुके केल नैहुई, मनफे हुई परठ । यी योगदानके लाग चन्द्रसिंहहे केल नाही, उहाँहे उच्च संस्कारसहित हुरकाइल उहाँक पुखाँहुकनहेफे सम्मान करे चाहठु ।'

विद्यालयके प्रअ डम्मर शाह दिनप्रति दिन सामुदायिक विद्यालयके अवस्था खस्कटी रहल अवस्थामे चन्द्रसिंह जैसिन दानवीर, दाता जल्मना कना समाजके लाग यिहीसे महत्वपूर्ण कुछ नैरहल बटैलै । उहाँके दानसे विद्यालयके शैक्षिक गुणस्तर सुधारमे अतुलनीय योगदान पुगलफे बटैलै ।

जगगादाता चन्द्रसिंह चौधरी उ विद्यालय अपने शिक्षाके पाइला टेकल विद्यालय रहल बटैलै । उहाँ अपन नामके लागसेफे गाउँघरके विद्यालयहे कैसिक सुधार करे सेक्जाइठ कहिके सहयोग करल बटैलै ।

चौधरी कहलै, 'बसन्ता मोर जन्म गाउँ हो । यी ठाउँमे जौन मेरके शैक्षिक विकास हुई पर्ना रहे । उ नैहुइल । भ्नन खस्कटी गैल बा । अपनहे आर्थिक रुपमे कुछ सबल हुइल महसुस हुइलपाछे यहाँके विद्यालयके शैक्षिक *(बाँकी २ पेजमे)*

धनगढी उप-महानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय

धनगढी, कैलाली सुदूरपश्चिम प्रदेश, नेपाल

दररेट पेश गर्ने सम्बन्धी सूचना

प्रकाशित मितिः २०८२/०२/२६

बस धनगढी उप-महानगरपालिका नगर कार्यपालिकाको कार्यालयको आ.व. २०८१/०८२ अन्तर्गत धनगढी उप-महानगरपालिका ०७. सेन्टरकिचनमा Equipments For Central Kitchen सम्बन्धी सप्लाई कार्यको लागि BOQ भरि आवश्यक कागजात सहित सात (७) दिनभित्र कार्यालय समयमा पेश गर्न हुन सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ । उक्त कार्यको लागि आवश्यक BOQ, Specification तथा आवश्यक पर्ने कागजात सम्बन्धी विस्तृत विवरण यस कार्यालयको वेबसाइट http://www.dhangadhimun.gov.np बाट डाउनलोड गरी हेर्न सकिनेछ ।

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अटो विलटके १० महिने वालकके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ जेठ । कैलालीके लम्कीचुहा न.पा.१ भुरुवा स्थित भिटर सडक खण्डमे अटो विलटके १० महिने बालके मृत्यु हुइल बा ।

लम्कीचुहा न.पा.१ भुरुवा स्थित भिटर सडक खण्डमे दक्षिणसे उत्तर ओर अइटी करल चालक जिल्ला कैलाली, उहे ठाउँ बैठना बर्ष ४१ को भरत साउँदले चलाएको सु.प.प्र.०१-००१ ह ५१४८ नम्बरके इभि अटोरिक्सा अपनही अनियन्त्रि हुके विल्टल रहे ।

अटो विल्टेबेर अटोमे सवार हुकाने नाति १० महिनाके आयुष साउँद गम्भीर घाहलि हुके उपचारके लाग टिकापुर अस्पताल लैगिलमे चिकित्सकसे चेकजाँच करेबेर मृत्यु घोषणा करल रहे ।

उ अटोमे बैठल बर्ष ४२ के प्रकाश गिरी ओ बर्ष १३ के टेकराज साउँद घापहल हुके लालरत्न अस्पताल लम्कीमे उपचार हुइटी रहल बा । अटो प्रहरीके नियन्त्रणमे रहल बा । कलेसे अटो चालक फरार रहल ओ खोजतलास हुइटी रहल बा ।

भन्सार छलिके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ जेठ । कैलाली जिल्लाके टमान ठाउँसे अवैध भन्सार छलिके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

धनगढी उ.म.न.पा.३ त्रिनगर ब्यारेल, वडा नम्बर ९ त्रीवेणीघाट, वडा नम्बर १५ कनरी सामुदायिक बन ओ भजनी न.पा.३ पडरीयासे अवैंध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल मूल्य रु.१ लाख १८ हजार ५५० बराबरके चिनी, बिडी, सरप, बिस्कुट, पास्ता, बोष्टन फास्टर जिंक, फास्ट जिंक, छाता, प्लाष्टिक डोरी लगायतके सामान जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली तथा मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी गस्ती टोलीसे नियन्त्रणमे लेहल हो ।

विद्यालयहे जग्गादाता...

अवस्था सुधार होए कहिके सहयोग करल हुँ ।'

कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका १ बैठटी आइल ४७ वर्षिय चन्द्रसिंह चौधरी शैक्षिक विकास, सामाजिक सचेतना तथा विद्यालयके स्थायी उन्नतीके लाग अपन नाममे रहल कैलारी गाउँपालिका ७ बसन्तास्थित २ विघा जमिन उहेक राष्ट्रिय आधारभूत विद्यालयहे दान डेहल बटैं । विद्यालयहे जग्गादान करलपाछे विद्यालयके नाउँ राष्ट्रिय चन्द्र आधारभूत विद्यालय नामाकरण बा ।

ओस्टेक उहेविच विद्यालयसे विद्यार्थीहुकनहेफे सम्मान करले बा । विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष टुनीराम चौधरीके अध्यक्षतामे कार्यक्रममे कैलारी गाउँपालिका-७ के वडा अध्यक्ष तथा प्रवक्ता दिपेन्द्रबहादुर बम, कार्यपालिका सदस्य सुन्दरी चौधरीलगायत, अभिभावक, शिक्षकहुकनके सहभागिता रहे ।

छिमेकी समूहका उपभोक्ताहरूका लागि काठ/दाउरा बिक्री सम्बन्धी १० दिने सूचना

(पहुरा दैनिक पत्रिकामा प्रथम पटक प्रकाशन मिति: २०८२/०२/२६ गते)

यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट डि.व.का. धनगढीको च.नं. २६६१ मिति २०८१/१२/२२ गतेको संकलन सहमती अनुसार स्वीकृत वन कार्ययोजना बमोजिमको ढलापडा सुखाखडा रूखहरू कटान तथा संकलन गरी समूहको कम्पाउण्डमा घाटगद्दी भएको काठ र दाउरामध्ये यो सूचना पहुरा दैनिक पत्रिकामा प्रथम पटक प्रकाशित भएको मितिले १० दिनभित्र कैलाली जिल्लाभित्रका छिमेकी समूहका उपभोक्ताको घरायसी प्रयोजनका लागि आवश्यक भएमा आवश्यक प्रजाति, परिमाण र प्रयोजन समेत खुलाई यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको कार्यालयमा रितपूर्वक निवेदन पेश गर्न हुन सम्बन्धित सबैको जानकारीका लागि यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

अध्यक्ष
खौराहुवा शिव सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह
कैलारी-७, छोटी बसन्ता, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

परिवार व्यवस्थापन अभ्यास

विचार
प्राडा शेषकान्त अर्याल

भ्रुण मनुष्यके आदिम अवस्था हो । जन्मे पैना यकर नैसर्गिक अधिकार हो । पृथ्वीके काखमे खेले पैना, रमाइ पैना ओ पृथ्वीके साधन स्रोत उपभोग करे पैना यकर पूर्ण हक अधिकार बा । भ्रूण पृथ्वीमे अइना डाइसँग कहठ 'मोर प्राण हरण नैकरो ।' हिन्दुहुकनके गर्भ उपनिषद्मे उल्लेख हुइल मन्त्र चिन्तन, मनन करना लायक बा । यी करिब १४१६ विसीमे लेखल हो, कहल बा । यम्ने पहिल दिनके भ्रुणहे कलाद कहिजाइठ । यम्ने भ्रुणके विकास प्रक्रिया आधुनिक भ्रुणविज्ञानसँग मेल खाइठ, केवल अंग बन्ना प्रक्रिया कुछ फरक बा ।

ग्रिक दार्शनिक हिपोक्रेट्स (पाँचौं शताब्दी विसी) ओ चौठा शताब्दी विसीमे एरिस्टोटल फेन भ्रुणके गहिर अध्ययन करले बटैं । मनुष्यके पूर्ण रूप मानल बा । गेलेन दोसर शताब्दीमे एक किताब 'भ्रुणके बनावट' लेखके भ्रुणके विकास ओ पोषणके व्याख्या करल बा ।

मध्यकालीन युग विज्ञान विकासके गति धिम हुइल । सातौं शताब्दीमे मुस्लिमहुकनके पवित्र ग्रन्थ कुरान फेन पुरुषके शुक्रकिट ओ स्त्रीके अन्डा मिलके न्युफ्रा बनठ ओ छैटौं दिनमे गर्भ गृहमे प्रवेश करठ कना कहल बा । रगत चुस्ना जोक जस्टे गर्भ रहल दुई हप्तामे बनठ कहल बा । कुरान फेन भ्रुणहे मनुष्यके आदिम अवस्था मानल बा । एघारौं शताब्दीके अफ्रिकी नक्षेत्रविज्ञसे नक्षत्र विज्ञानके आधार अनुसार भ्रुणके विकास हुइना बटाइल बा । लियो नार्दो डा भिन्ची पन्ध्रौं शताब्दीमे भ्रुणके सही मूर्ति बनाइल रहे ।

हार्भेसे सन् १६५१ मे सिम्पल माइक्रोस्कोपले कुखुराके भ्रुणके रक्तसञ्चार बारेमे अध्ययन करलैं । टमान समयमे टमान व्यक्तिसे अध्ययन करलेसे फेन भ्रुणशास्त्रके विकास सन् १८३९ मे सेल्दन ओ स्वान कोषिका सिद्धान्तके प्रतिपादन करलपाछे भ्रुणशास्त्रके वैज्ञानिक मान्यता पाइल बटाजाइठ । यी सिद्धान्त प्रतिपादनपाछे भ्रुण एक कोष अन्डा शुक्रकिटसँग मिलके निशेचन हुइलपाछे जाइगोट बनठ । विलियम हिज ह्युमन टिस्युके अध्ययन करलैं । हान्स स्पेमेनन् सन् १९३५ मे कैसिक एक टिस्यु औरेक भाग्य निर्माण करठ कनामे नोवेल पुरस्कार प्राप्त करलैं ।

इडवार्डस ओ स्टेप्टो सन् १९७८ मे टेस्टट्युब बेबी इन भिट्रो फर्टिलाइजेसन टेक्निकके अग्रगामी बनल । भ्रुणके विकासमे भारी सहयोग करलैं । वंशजके सिद्धान्तके विकास अस्ट्रियन मेन्डेल मंकसे १८६५ मे करले रहैं । प्रजनन प्रक्रियामे फ्लेमिङ क्रोमोजोमके भूमिका रहल बाट १८७८ बटाइल रहे । क्रोमोजोमके महत्वपूर्ण अवलोकन भोन विनीवार्टर सन् १९१२ मे करले रहैं । पेन्टर ४८ क्रोमोजोम भ्रुणमे संलग्न हुइठ कहिके सन् १९२३ मे बटाइल रहे । टिजियो ओ लेभान ४६ क्रोमोजोम भ्रुण बन्ना प्रक्रिया बबटाइलपाछे सन् १९५६ से आजसम डाइक २३, बाबाक २३ कैके ४६ क्रोमोजोम भ्रुण बन्ना प्रक्रिया मानल बा ।

वर्तमान समयमे आणविक जीव विज्ञान ओ अनेकन विज्ञानके सिद्धान्तके विकाससे जीवके भ्रुण बन्नामे डिएनए प्रमुख भूमिका खेलले रहठ । डिएनए जेम्स वाटसन, फ्रान्सिस क्रिक ओ मौरिस विल्किन्स पत्ता लगाके सन् १९६२ मे नोवेल पुरस्कार प्राप्त करलैं । डिएनएके आविष्कारसे जीवविज्ञानके ओ मानव शरीर रचना विज्ञानके विशाल ढोका खोलल बा । डिएनए यी धर्तीमे सायद ३.५ अरब वर्ष पहिले डेखाइल मानल बा । मानव शरीरमे हुइना सिकल सेल, सेल वातावरणसे पेल्ना दूषित पदार्थ, सेल सेलमे रना सूचना आदि वंशजके पदार्थ, वंशजके सुकर्म, कुकर्म ओ कैसिन वंशज उत्पादन करना कना सब डिएनए निर्धारण करठ । यम्ने नाइट्रोजन वेस रहल एडिनिन, ग्युनाइन, थाइमिन ओ सिस्टोसिनके मुख्य भूमिका रहठ । सुगर, फोस्फेट, कार्बोहाइड्रेट, अक्सिजन मिलके डिएनए बनल रहठ । यी अणुसे शरीरहे आवश्यक परना प्रोटिन निम्न संकेतबमोजिम तयार करठ ।

मानव जीवनके गोप्यता भंग करना डिएनएसफल हुइल बा । मानव डिएनए चिम्पान्जीके डिएनएसँग ९९ प्रतिशत मिलठ । डिएनएके अध्ययनसे केक्रो वंशजमे तीन चार पुस्ता आगे महा अनिकाल भोगल बा कहिके आजके पुस्ता फेन उ दुःखद अवस्थाके अनुभव करल कना बटाइल बा । मनैन्के डिएनएसे विशाल सूचनाके भण्डारण करे सेक्जाइ । डिएनएके जन्मसे मृत्युसम विशेष भूमिका रहठ । हिन्दु सनातन धर्ममे गर्भके पूजनके व्यवस्थापन रहे । आज फेन कुछ अंशमे मानल बा ।

वैदिककालसे गर्भाधान संस्कार महत्वपूर्ण मानजाइठ । सन्तानोत्पत्ति व्यक्तिगत मन्ना परम्परा नैरहे । गर्भिणी महिलाहे सबसे आदर सम्मानके साथ हेरना चलन रहे । सुसंस्कारी बच्चा जन्मैना डाइबाबा संस्कारी बने परठ । बच्चा जन्मैनासे पहिले शास्त्रीय प्रशिक्षण डेना चलन फेन रहे । सोह्र संस्कारमध्ये गर्भाधान संस्कार फेन एक विशेष महत्वपूर्ण मानजाइठ । यिहिनहे पुंसवन संस्कार फेन कहिजाइठ । प्रजनन वैयक्तिक मनोरञ्जन नैहो यी एक महत्वपूर्ण सामाजिक उत्तरदायित्व हो । गर्भके सुनिश्चितता तीन महिनाहे मानजाइठ । यकर पूजाके व्यवस्थाहे यिहे समयमे करजाए । तीन महिनामे बच्चाके पूरे अंग बनके केवल विकसित हुइटि जैना अवस्था मानजाए । गर्भके शिशु माता-पिता, कुल कुटुम्ब तथा समाजके भार नैहो गौरव तथा सौभाग्यके द्योतक बने कना हो ।

> रसियाली हेलनटिना मोसलइभासे १८ औँ शताब्दीमे १६ जुम्ल्याहा, सात तिम्ल्याहा, चार चौल्याहा कैके ६९ बच्चा जन्मैले रहि । प्रसूति व्यथा ७५ दिनसम लागके दिन नैपुगल अस्वस्थ बच्चा जन्माइल पोल्यान्डके महिला हुइटि । सबसे कम उमेरमे बच्चा जन्मुइया पेरुभिएन महिला हुइटि । उहाँ पाँच वर्ष सात महिना २१ दिनमे जन्मैले रहि । सबसे ढेर उमेरमे बच्चा जन्मुइया महिलाके नाउँ इरामति मान्गामा जुम्ल्याहा छाइ ७३ वर्षके उमेरमे जन्मैले रहि । उहाँ भारत हैदरावाद सन् २०१६ मे इनभिट्रो फर्टिलाइजेसन प्रविधिसे जन्मैले रहि । एकचो नौ बच्चाके डाइ हलिमा सिसे माली देशके हुइटि । संसारमे एक महिला एक चोके नौ बच्चा जन्माइल रिकर्ड बा । बच्चा १३ महिनासम पेटमे रहलेसे फेन रिकर्ड बा । परिवार नियोजनमे परिवारके संख्या, उहाँहुकनके उचित पालन पोषण, शिक्षादीक्षा, व्यवसाय, जीवनस्तर आदिके ख्याल करल रहठ । भ्रूणहत्यामे नैरहठ । भ्रुण हत्यामे सबसे भारी खतरा असल मनुष्य भ्रूणहत्यामे परना, खराब जन्मना ओ आजीजन परिवारके तथा राष्ट्रके बोझ बन्ना फेन हुइ सेकठ । पहिल, दासर बच्चासे तेसर बच्चा हत्यामे परल अवश्य पटा पैठैं । उ परिवारमे शान्ति कबु नैहुइठ । काम ऊर्जाके सही परिचय, ओकर सिर्जनशीलता ओ ओकर शिक्षाके व्यवस्था करे परठ । अणु ऊर्जासे फेन शक्तिशाली काम ऊर्जाके जथाभावी क्षरण करे नैपरठ कठैं राष्ट्रकवि माधवप्रसाद घिमिरे ।

गर्भके माध्यमसे यी धर्तीमे प्रकट हुइना जीवहे भगवान्के प्रतिनिधि मानजाइठ । गर्भके पूजन गर्भिणी ओ उहाँक पति मिलके करे परठ । परिवारके सदस्य, कुल कुटुम्ब फेन आशीर्वचन डेना चलन बा । दहीचिउरा खाइ डेना चलन आज फेन छ । आयुर्वेदमे गर्भिणीहे टमान जडीबुटी खुवैना चलन बा । वर, पिपल, गिलोयके रस विशेष मान्यताके साथ सुघैना चलन बा । वृक्ष देवताके प्रतीक हो । वरके रुख दृढता, पिपल देवयोनी, गिलोयके रुख उन्नतिके प्रतीक मानजाइठ । गर्भके सुरक्षाके निमित्त आधुनिक चिकित्सा विज्ञानसे फेन विशेष स्वास्थ्योपचारके व्यवस्था करल बा । गर्भके पूजनके विधिविधानके बारेमे जाइ चाहलमे यजुर्वेद ओ आश्वलायन गृहसूत्रमे हेरे सेक्जाइ । सुसंस्कृत सन्तान जन्मैना गर्भिणी महिला निम्नानुसारके साधनामे रहे परठ । सुसंस्कृत सन्तान जन्मैना डाइ ज्यादा होसियार हुइ परठ । गर्भस्थ शिशुके समुचित विकासके लाग डाइ मुख्य मान्जाइठ । भ्रुणसे सब चाहना पोषण पदार्थ डाइसे लेहठ । डाइबाबा सुसंस्कारित रलेसे बच्चा अवश्य सुसंस्कारित रहठ । प्रजनन विज्ञान आध्यात्मिक विज्ञानसँग ढेर मिल्लाजुल्ला बा । सन्तान केवल वैयक्तिक मनोरञ्जनसे किल जन्मल नैहो, भगवान्सँग प्रार्थना करटि अपन उद्देश्य पूरा करना सन्तान जन्मैना मनोभाव ढरे परठ । सन्तान जन्माइक लाग निम्नबमोजिम ख्याल करे परठः

१. गर्भाधान कर्म दुनु पतिपत्नी स्वस्थ रलेसे किल करना ।
२. गाँजा, चुरोट, लागुपदार्थ, रक्सी आदि सेवन करल अवस्थामे गर्भाधान कर्म नैकरना ।
३. तन ओ मन पवित्र अवस्थामे पतिपत्नीके बिचमे अनेक प्रेमके वार्तालाप तथा प्रेम, सद्व्यवहार, असल चिन्तनके साथ सम्भोग करे परठ ।
४. गर्भिणी अवस्थामे हिंसा, चोरी, ईर्ष्या, डाहा करे नैपरठ । मनुष्यसे करल सद्कर्म तथा असत् कर्मके रिकर्डिङ डिएनएमे हुइल रहठ ओ सन्तान दरसन्तानमे रूपान्तरित रहठ ।
५. पति तथा परिवारके सदस्य गर्भिणीके पूरा हेरचाहमे लागे परठ ।
६. दूषित सोचाइ ढरल गर्भवतीसे मेन्टल रिटार्डेसन, अटिज्म सिजोफ्रेनिया हुइल सन्तान जन्मे सेक्ना बाट फेन आधुनिक चिकित्सक बटैले बा ।
७. पतिपत्नी असल सन्तान जन्मे कहिके भगवान्के प्रार्थनाके साथे पोषणयुक्त भोजन, सबसँग सद्व्यवहार करे भुले नैपरठ ।
८. पतिपत्नीबिच झैझगडा, रिसराग, द्वेष, घृणा, कलह, कुटपिट, प्रतिशोधके भावना कबु फेन हुइ नैपरठ ।
९. प्रेम सम्बन्धसे यौनकर्म करना फेन प्रेम करलेसे किल पवित्र प्रतिज्ञा कदापि भुले नैपरठ ।
१०. कुलत, कुसंगत, कुविचार, कुखाद्य गर्भिणीके निमित्त त्यज्य बा ।
११. गर्भिणी अवस्थामे हाइडोज रेडियसनमे एक्सपोज हुइ नैपरठ ।

निल्सनसे प्रकाशित करल प्रतिवेदन अनुसार भारतीय महिला सतासी प्रतिशत धेर समयसम तनावमे बटैं । अमेरिकी महिला त्रिपन्न प्रतिशत ज्यादा कामके भार बोकल बटैं । दक्षिण कोरियामे सत्तरी प्रतिशत महिला एकांकीपनके सिकार बटैं । अमेरिकामे ३९ प्रतिशत महिला अकेलापनके सिकार बटैं । जापानमे टे एकांकीपनके मन्त्रालय खडा बा । आजके द्रुतस्तरके भौतिक विकास मनै भोगविलासमे लागल बटैं । अपन हैसियत तथा शारीरिक क्षमता बिस्रल बटैं । सुसंस्कृत, स्वावलम्बी, समाजनिष्ठ असल बच्चा जन्मैना महिलाके शोषण, हिंसा करे नैपरठ । भारत, नेपाल पवित्र भूमि मन्लेसे फेन हम्रे बच्चाबच्ची हुरकैना पह्नैना विभेद करठि । पेटमे कन्या हुइल पटा पाके भ्रूणहत्या करठि । *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

बजेटसे अर्थतन्त्रके विद्यमान समस्या समाधान करना कठिन हुइना

काठमाडौँ, २५ जेठ । आगामी आर्थिक वर्षके बजेटसे मुलुकके अर्थतन्त्रके विद्यमान समस्या समाधान करना कठिन हुइना धारणा अर्थतन्त्रके जानकारहुक्रे व्यक्त करल बा ।

नेपाल बुद्धिजीवि संगठन काठमाडौँ जिल्ला समितिसे आज यहाँ आयोजना करल 'बजेट २०८२/८३ समीक्षा ओ कार्यान्वयन' विषयक अन्तरक्रियामे वक्ताहुक्रे असहज अवस्थामे प्रस्तुत बजेट अर्थतन्त्रके विद्यमान समस्या समाधान करना कठिन हुइना टिप्पणी करल हो ।

राष्ट्रिय योजना आयोगके पूर्वसदस्य डा. रमेश पौडेल दुई भारी दल मिलके बनल दुई तिहाइके सरकारसे नानल बजेटसे अर्थतन्त्र सुधारके भारी गुञ्जायस नैडेखाइल बटैलैं ।

"प्राविधिक रुपसे हेरहे आगामी आवके बजेट धेर विवादित नैडेखाइठ, मने यी सरकार बजेटमार्फत नीतिगत फड्को (पोलिसी डिपार्चर) करना मौका गुमैले बा," उहाँ कलैं, "अब्बे सरकार ओ बजेटप्रति मनैन्के विश्वास घटल बेला उ विश्वास बहैना मेरिक बजेट आइ परना रहे । करे सेक्ना काम किल बजेटमे ढरना हो कलेसे नागरिकके विश्वास अप्नही बह्रि ।"

राजस्वओर फेन सरकार प्रगतिशील कर नीति अबलम्बन करे नैसेकल डा पौडेलके कहाइ बा । आगामी आर्थिक वर्षके बजेटमार्फत गैरकरके हिस्सा बह्राइ सेकेपरनामे ओइसिन हुइ नैसेकल, आयकर लग्ना आम्दानीके रकम नैबहैना, पुँजीगत लाभकरके दर बह्रे नैसेकल जैसिन विषय उहाँ उठैलैं ।

सरकारसे लेहल कर नीतिसे धनाढ्य वर्गहे फाइदा पुग्ना मने मध्यम वर्गीय सहरिया वर्गहे ढेर कर तिरेपरना स्थिति रहना डा पौडेलके कहाइ बा । अब्बे अनौपचारिक अर्थतन्त्रके हिस्सा एकडम भारी रहलमे उहिनहे औपचारिक प्रणालीमे नन्ना तथा राजस्व चुहावट नियन्त्रण करेक लाग सरकारसे कौनो स्पष्ट योजना नाने नैसेकल आरोप फेन पौडेलके बा ।

अर्थविद् प्राडा सूर्य थापा रोजगारी सिर्जना ओ गरिबी निवारण करना कहिके बजेटके प्राथमिकतामे ढरलेसे फेन उहिनहे समर्थन करनामेरिक योजना आइ नेसेकल बटैलैं । यद्यपि आगामी आर्थिक वर्षके बजेटके आकार, आर्थिक वृद्धिदर ओ मुद्रास्फीतिके लक्ष्य धेर महत्वाकांक्षी नैहोके वास्तविकतामे आधारित जस्टे डेखाइल उहाँक कहाइ बा ।

"सरकारसे मजासँग काम करे सेक्ना हो कलेसे १९ खर्ब ६४ अर्बके बजेट कार्यान्वयन करे सेक्जाइ ओ ६ प्रतिशतके आर्थिक वृद्धिदर तथा साढे पाँच प्रतिशतके वाञ्छित सीमाभित्तरके मुद्रास्फीति कायम करे सेक्जाइ, उहाँ कलैं । बजेटमे जलविद्युत् आयोजनामे 'टेक एन्ड पे' नन्ना मजा नैरहल थापाके कहाइ बा ।

योजना आयोगके पूर्वसदस्य डा चन्द्रकान्त पौडेल यथास्थितिवादी बजेट आइल ओ विद्यमान समस्या समाधानके लाग कौनो स्पष्ट कार्ययोजना आइ नैसेकल बटैलैं । "सरकारसे नानल आगामी आर्थिक वर्षके बजेट भारी फेन नैहो ओ वास्तविक फेन नैहो । तोकल राजस्व लक्ष्य उठाइ सेक्ना मेरिक कौनो आधार बजेटमे नैडेखाइठ ओ पुँजीगत खर्च बह्रैना कौनो स्पष्ट कार्ययोजना फेन आइल नैहो," उहाँ कलैं ।

दोसर चरणके आर्थिक सुधार तत्काल सुरुकरे परना आवश्यकता फेन उहाँ औंल्याइलैं । अर्थतन्त्रमे डेखाइल समस्या समाधानके लाग वित्त नीति ओ मौद्रिक नीतिबीचके सामन्जस्यता कायम करना आवश्यक रहल धारणा फेन पौडेल करलैं । मुद्रास्फीतिहे वाञ्छित सीमाभित्रे ढरे सेक्ना हो कलेसे मुलुकके अर्थतन्त्रमे भारी समस्या अइना उहाँक कहाइ बा ।

डा. नरविक्रम थापा आगामी आवके बजेट यथास्थितिवादी रहल उल्लेख करटि यिहिनहे अर्थतन्त्रके विद्यमान समस्या समाधान करे नैसेक्ना बटैलैं । "बजेटमे भारी परिवर्तन नैहो, करके दरमे खासे भारी परिवर्तन नैहो । अर्थतन्त्रमे सुधारके क्षेत्र का हुइना कहिके स्पष्ट पहिचान करे सेक्ना नैहो । यी अर्थमे बजेट यथास्थितिवादी बा," उहाँ कलैं ।

बजेटके स्रोतमे डेखाइल चाप ओ कार्यान्वयनमे डेखाइल न्यून प्रभावकारिता प्रमुख समस्या रहल उहाँक कहाइ बा । अस्टेक, आयातमुखी राजस्व ओ वितरणमुखी अर्थप्रणालीहे बदलेक लाग बजेटमार्फत कौनो ठोस पहल नैचालल थापा बटैलैं ।

हाल कार्यान्वयनमे रहल १६औँ आवधिक योजनाके मर्मअनुसार बजेट आइ नैसेकल, छरल योजना ओ कार्यक्रममे बजेट डारल, चालू खर्च घटाइ नैसेकललगायत विषय उहाँ उठैलैं ।

अस्टेक, घुमाउरो तरिकासे सांसद विकास कोष बजेटमे रहल आरोप उहाँ लगैलैं । सरकार आगामी आर्थिक वर्षके लाग ढरल आय ओ व्यय दुनुके अनुमान यथार्थपरक नैरहल थापाके बुझाइ बा ।

माधवप्रसाद घिमिरे ।

सन्तान डाँडाकाँडा ढाकै कना देशमे भ्रुणहत्या पनपनु पश्चिमा सभ्यताके जालमे फस्ना हो । कन्या पूजा करना देश कन्याहे मरना जघन्य अपराध हो । भ्रुणहत्या हत्या हो, सब शास्त्र निषिद्ध करले बा । विद्वान् फेन भ्रुणहत्या हत्या मन्ले बटैं । भ्रूणहत्या नाकरि ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

परिवार व्यवस्थापन...

दिदीबहिनीहे छेडछाड करठि । बलत्कार करठि । विवाहमे चाहल अनुसारके दाइजो नैपाइलमे अनेक ताडना डेके महिलाके हत्या करठि । पड्क्तिकार भारतके दिल्ली विश्वविद्यालय (सन् १९८४/१९८५) विद्यावारिधि करेबेर सफ्तरजंघ अस्पतालके वर्न (जलन) वार्डमे एक सय जरल बिरामीमे नब्बे महिला बिरामी दाइजोके कारण श्रीमान्, घरके परिवार या अप्ने ताडना सहे नैसेक्ना जरल रहैं । करिब साठी प्रतिशत मरैं । सुसंस्कारी बच्चा जन्मैना महिला स्वच्छ विचारिणी तथा स्वस्थ हुइना जरुरी बा ।

आकाशके बात ओ गर्भके बात जाने नैसेक्जाइ कहिके हमार परम्परा बा । गर्भसम्बन्धी रहस्य निम्नानसार बुझि । जब बच्चा भर्गमे वास लेहठ, ओहे दिनमे उचाइ, स्वभाव, मनोभाव ओ समस्त जीवन एक सेलमे रहल रहठ । गर्भिणी रहलमे मजा हेरविचार पुगाइल बा, रक्सी, चुरोट, ड्रग्स ओ ढेर पिले नैहो कलेसे बच्चा सकुशल जन्मठ । अब उ १८ वर्ष नैपुगटसम मजासँग हेरविचार ओ मजा स्वस्थ खाना खुवाइ कहिके ऊ कबु फेन पनि पूर्ण क्षमतावान् मनुष्य रहे नैसेकि । यी छोट बालकके अपन प्रणाली बा । बुझि यहाँ सबके अपन महत्वपूर्ण समय बा ।

गर्भ सम्बन्धमे कुछ अचम्मके घटना

रसियाली हेलनटिना मोसलइभासे १८ औँ शताब्दीमे १६ जुम्ल्याहा, सात तिम्ल्याहा, चार चौल्याहा कैके ६९ बच्चा जन्मैले रहि । प्रसूति व्यथा ७५ दिनसम लागके दिन नैपुगल अस्वस्थ बच्चा जन्माइल पोल्यान्डके महिला हुइटि । सबसे कम उमेरमे बच्चा जन्मुइया पेरुभिएन महिला हुइटि । उहाँ पाँच वर्ष सात महिना २१ दिनमे जन्मैले रहि । सबसे ढेर उमेरमे बच्चा जन्मुइया महिलाके नाउँ इरामति मान्गामा जुम्ल्याहा छाइ ७३ वर्षके उमेरमे जन्मैले रहि । उहाँ भारत हैदरावाद सन् २०१९ मे इनभिट्रो फर्टिलाइजेसन प्रविधिसे जन्मैले रहि । एकचो नौ बच्चाके डाइ हलिमा सिसे माली देशके हुइटि । संसारमे एक महिला एक चोके नौ बच्चा जन्माइल रिकर्ड बा । बच्चा १३ महिनासम पेटमे रहलेसे फेन रिकर्ड बा ।

परिवार नियोजनमे परिवारके संख्या, उहाँहुकनके उचित पालन पोषण, शिक्षादीक्षा, व्यवसाय, जीवनस्तर आदिके ख्याल करल रहठ । भ्रूणहत्यामे नैरहठ । भ्रुण हत्यामे सबसे भारी खतरा असल मनुष्य भ्रूणहत्यामे परना, खराब जन्मना ओ आजीजन परिवारके तथा राष्ट्रके बोझ बन्ना फेन हुइ सेकठ । पहिल, दासर बच्चासे तेसर बच्चा हत्यामे परल अवश्य पटा पैठैं । उ परिवारमे शान्ति कबु नैहुइठ । काम ऊर्जाके सही परिचय, ओकर सिर्जनशीलता ओ ओकर शिक्षाके व्यवस्था करे परठ । अणु ऊर्जासे फेन शक्तिशाली काम ऊर्जाके जथाभावी क्षरण करे नैपरठ कठैं राष्ट्रकवि

अन्तर्राष्ट्रिय

गाजा सिटीके बासिन्दाहे सुरक्षित स्थानमे जैना इजरायली सेनासे आग्रह

काठमाडौँ, २५ जेठ । इजरायली सेना गाजा सिटीके कुछ भागके बासिन्दाहे आक्रमणके पूर्वसन्ध्यामे स्थानान्तरण करना आदेश डेले बा । सेनाके प्रवक्तासे उ क्षेत्रहे 'खतरनाक युद्ध क्षेत्र' से कटि बासिन्दाहे सुरक्षित स्थानमे जैना आग्रह करले बा । यी आदेश मुस्लिम धर्मावलम्बीके प्रमुख पर्व इद अल-अधाहके अवसरमे आइल बा, यिहिनसे गाजा सिटीके बासिन्दामे थप तनाव ओ अनिश्चितता सिर्जना करल बा ।

यिहेबिच, हमासके प्रमुख वार्ताकार खालिल अल-हैया गाजा सिटीमे स्थायी युद्धविरामके लाग नयाँ ओ गम्भीर वार्तामे सहभागी हुइना तयार रहल बटैलैं । मने, हालसमके वार्ता प्रयास असफल हुइल बा ।

गाजा सिटीमे इजरायली सेनाके आक्रमण ओ स्थानान्तरण आदेशसे मानवीय संकटहे थप गम्भीर बनैले बा । संयुक्त राष्ट्रसंघ ओ अन्य अन्तर्राष्ट्रिय निकाय नागरिकहुकनके सुरक्षा ओ मानव अधिकारके सम्मान करना आह्वान करल बा । गाजा सिटीके बासिन्दाहुकनके स्थिति अत्यन्त कठिन बा, ओ यी संकटके समाधानके लाग अन्तर्राष्ट्रिय समुदायके सक्रिय पहल आवश्यक डेखाइठ ।

स्कुटर दुर्घटनामे एकके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २५ जेठ । स्कुटर दुर्घटनामे परके धनगढी उपमहानगरपालिका-७ मनेहरा बैठुइया ३५ वर्षीय छोटेलाल चौधरीके ज्यान गैल बा ।

धनगढीसे अत्तरिया ओर जैना क्रममे ६ लेन सडकके धनगढी उपमहानगरपालिका-१३ मोहनपुर क्षेत्रमे अनियन्त्रित होके स्कुटर दुर्घटना हुइल रहे । दुर्घटनामे परके घाइते चौधरीहे उपचारके लाग तत्काल मायामेट्रो अस्पताल पुगैलेसे फेन चेकजाँच कैके चिकित्सक मृत घोषणा करल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक राजकुमार सिंह जानकारी डेलै ।

चौधरीसे चलाइल सुपप्र ०१०१२ प. ४६४८ नम्बरके स्कुटर अनियन्त्रित होके डिभाइडरमे टकराके दुर्घटना हुइल जनाइल बा । दुर्घटनामे परके स्कुटरमे पाछे सवार धनगढी उपमहानगरपालिका-१२ के ३२ वर्षीया सीता कुश्मी घाहिल हुइल बटी । उहाँके माया मेट्रो अस्पतालमे उपचार हुइटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय जानकारी डेले बा ।

कर्मचारी आवश्यकता

प्रथम पटक प्रकाशित मिति २०८२/०२/२३
विज्ञापन नं.४/२०८१/०८२

कर्मचारी पदपूर्ति सम्बन्धि सूचना

यस हस्पिटलका लागी तपसिल बमोजिमका कर्मचारीहरु आवश्यक परेको हुदा इच्छुक तथा योग्यता पुगेका व्यक्तिले यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १० दिन भित्र रित पूर्वको दरखास्त फाराम आहवान गरिन्छ ।

तपसिल

सि.नं.	पद	संख्या	शैक्षिक योग्यता
१.	Medical Officer	४ जना	MBBS विषय उर्तिण गरेको ।

- पेश गर्नुपर्ने कागजातहरु:- शैक्षिक योग्यता अनुसारका मार्कशीट, सर्टिफिकेट तथा सम्बन्धित काउन्सीलको नविकरण भएको प्रमाण-पत्र, नेपाली नागरीकताको प्रमाण-पत्र र काम गरेको भए अनुभवको प्रमाण-पत्र साथ दरखास्त पेश गर्नुपर्नेछ ।
- अनुभवीलाई विशेष ग्राहेता दिईनेछ ।
- तलब सुविधा:- हस्पिटलको नियमानुसार ।
- उमेर:- १८ वर्ष पुरा भै ४० वर्ष ननाघेको हुनुपर्नेछ ।
- परीक्षाको किसिम:- मौखिक ।

NISARGA
Hospital & Research Center Pvt. Ltd.

निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

धनगढी-५, हसनपुर, कैलाली

थप जानकारीको लागि

सम्पर्क: ०९१-५२७०००/९८६५६८०१००

E-mail: nisargahospitalnepal@gmail.com

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

बारह्के डरसे बसाइ सरे लग्लै कुतियाकवरबासी

कञ्चनपुर, २५ जेठ । कञ्चनपुरके दोधारा चाँदनी नगरपालिका–१० कुतियाकवरके खड्के बुढा छेग्रीभेंरी, गैयाभैंस ओ बालबच्चासहित कुतियाकवरसे जोगबुढा उपार सरल बटै ।

बारह्से बचक लाग उहाँकसंगे अन्य तीन परिवार फेन कुतियाकवरसे बसाइ सरे लागल बटै । तीन ओरसे जोगबुडा लडिया ओ औरे ओरसे महाकाली लडियासे घेरल दोधारा चाँदनीके टापुके बस्ती कुतियाकवर हरेक बरस बारह्से प्रभावित हुइटी आइल बा ।

सरकारसे जोगबुढा लडियामे तटबन्ध निमौण करे लागलपाछे बारह्से बच्ना आशामे रहल कुतियाकवरबासी तटबन्ध निमार्णके काम रोकलपाछे बारह्के डरसे बस्ती छोरके सुरक्षित स्थान खोजे लागल हुइट । "विसं २०७८ के बारह्से गैयाभैंस, छेग्रीभेंरी सक्कु पुहालैगिलै घरमे रहल अन्न फेन नैबचल", विगत सम्झटी यहाँके स्थानीय खड्के बुढा कहलै, "यी बेर मौसम विभागसे फेन ढेर वर्षा हुइना कहले बावै यहाँ बहुट बारह् आइठे छेग्रीभेंरी बचाइक लाग उपार सरटी ।"

सरकारसे जोगबुढा लडियामे तटबन्ध निमार्णके काम सुरु करलपाछे बारह्से बचना आशा पलाइल बुढा बटैलै । लडियामे पानी बह्रलपाछे तटबन्ध निमार्णके काम बन्द हुइल ओरसे गाउँमे बारह्के त्रास फैलल् उहाँके कहाइ रहल बा ।

"यहाँ बारह्से हरेक बरस कटान कैटी आइल बा, महाकालीके बारह् बस्तीमे पेलेबर ज्यान बचैना मुस्किल हुइठ्", उहाँ कहलै, "गैल बरस नेपाली सेना ओ दातृ निकायके सहयोगमे दुइचो सेफ हाउस बनलपाछे राहत मिलल् बा ।" उहाँ बारह्के त्राससे बस्तीके अन्य तिन परिवार फेन जोगबुढा उपार बसाइ सरे लागल बटैलै । कुछ बरस आघेसम घना बस्ती रहल कुतियाकवर बारह्के कारण यहाँसे ढेर बसाइ सरके अन्यत्र गैलपाछे बस्ती खाली हुइटी गैल बा ।

स्थानीय टेकवहादुर सुनार कुतियाकवरबासी हरेक बरस बारह्के चपेटामे परटी आइल बटैलै । "लडियामे तटबन्ध बने लागलपाछे यी बरस बारहुसे सुरक्षित हुइबी कना रहे तटबन्ध पुरा हुइ नैसेकल", सुनार कहलै, "बर्खा सुरु हुइ लागलपाछे यहाँके चार परिवार बारह्के डरसे सुरक्षित स्थान खोज्टी बसाइ सरे लागल बटै ।" उहाँ जोगबुडा ओ महाकाली लडिया कटान कैके यहाँके बस्ती उच्च जोखिममे रहल बटैलै । कुछ बरस आघे यहाँ ४९ परिवारके बसोबास रहल रहे । हाल यहाँ ३९ परिवारके बसोबास रहल बा । बारह्के कारण कुछ भारत गैल बटै कलेसे कोइ सुरक्षित स्थान खोज्टी अन्यत्र जाइ लागल बटै ।

पुरुबमे हाकाली ओ उत्तरमे जोगबुढा लडियाके दोसाधमे रहल कुतियाकवर दक्षिणमे भर भारतसे जोरल बा । विसं २०७४ मे जोगबुढा लडियामे झोलुङ्गे पुल बनलपाछे नगरसे जोरल कुतियाकवरमे बर्सेनि जोगबुढा ओ महाकाली लडिया जमिन कटान हुइटी आइल बा । करिब ५० बिघाह क्षेत्रफल रहल बस्ती हरेक बरस हुइना कटानसे साँकिर हुइटी गैल बा । बारह्से कुतियाकवर बस्ती बचाइक लाग जनताके तटबन्ध कार्यालयसे जोगबुढा लडियामे ८१६ मिटर लम्मा तटबन्ध निमार्णके काम सुरु करल रहे ।

ढिला ठेक्का सुरु हुइल ओ लडियामे पानी बह्रलपाछे निमार्ण व्यवसायि काम करे नैसेकल जनताके तटबन्ध कार्यालयके ईन्जिनियर करुणाकर पन्त जानकारी डेलै । "बजेटके सुनिश्चितताके कारण फेन ढिलो ठेक्का सम्झौता हुइल रहे", उहाँ कहलै, "अब्बे जोगबुढा लडियामे पानी बह्रल कारण निमार्ण व्यवसायि काम करे नैसेकल हुइट ।" उहाँ बस्तीहे बारह्से सुरक्षित कैना लक्ष्य अनुसार तीव्र रूपमे काम हुइलेसे फेन लडियामे पानीके बहाव बह्रल कारण तटबन्ध निमार्ण सम्पन्न करे नैसेकल बटैलै । उहाँके अनुसार तटबन्ध निमार्णके २५ प्रतिशत काम सम्पन्न हुइल बा ।

तटबन्ध निमार्णके लाग कार्यालयसे २०८१ चैत २५ गते रु पाँच करोड १६ लाख ६७ हजारमे शक्तर कन्ट्रक्सनसँग ठेक्का सम्झौता करल रहे । सम्झौताअनुसार ८१६ मिटर लम्मा तटबन्ध २०८२ चैतभित्रे सम्पन्न करसेके पर्ना रहे ।

भूमिसम्बन्धि विधेयक हाली पारित हुइः प्रधानमन्त्री

काठमाडौँ, २५ जेठ । प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली ओ भूमि समस्या समाधान आयोगके पदाधिकारीबिच हालसमके कामके प्रगतिबारे अँट्वारके छलफल हुइल बा ।

प्रधानमन्त्री निवास, बालुवाटारमे हुइल छलफलमे आयोगसे भूमिहीन दलित, सुकुम्वासी तथा अव्यवस्थित बसोवासीके पहिचान, लगत सत्तलन, प्रमाणीकरण, नाप नक्सात्तन, विवाद समाधान तथा जग्गा दर्ता ओ प्रमाणपूर्जा वितरणसमके योजना बनाके तीनु तहके सकारसँगके सहकार्यमे काम हुइटी रहल जानकारी कराइल बा ।

भूमि, व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारणमन्त्री बलराम अधिकारीसहितके छलफलमे आयोगके अध्यक्ष हरिप्रसाद रिजाल दश बरससे बसोवास ओ अन्य सरकारी जग्गा नैपाइल नागरिकहे भूमिहीन, सुकुम्वासी पहिचान कैना तथा अव्यवस्थित बसोवासीके हकमे कम्तीमे १० बरससे सरकारी, ऐलानी, पर्ति जमिनमे आवाद/कमोद कैके बसोवास करटी रहल हुइ पर्ना मापदण्ड तयार करल जानकारी करैलै ।

भूमिसम्बन्धी कुछ नेपाल ऐनहे संशोधन कैना विधेयक पारित रहल काम कैना थप सहज हुइना आयोगके पदाधिकारीके कहाइ रहल बा । प्रधानमन्त्री ओली संसदमे विचाराधीन उक्त विधेयक हाली पारित हुइना विश्वास व्यक्त कैटी आयोगसे भूमिहीन दलित, सुकुम्वासी तथा अव्यवस्थित बसोवासीके पहिचानके कामहे योजनाबद्ध ओ तीव्रताके साथ आघे बह्रैना निर्देशन डेलै । नेपाल सरकारसे गैल कात्तिक १४ गते उ आयोगके गठन करल रहे ।

डिप्रेसनका लक्षण

मानसिक रुपमाः
- उदास, निराश वा एक्लोपन महसुस गर्नु,
- कुनै पनि कुरामा चासो नलिनु वा कम हुनु,
- आत्मबल घट्नु वा आत्मग्लानि हुनु वा दोषी महसुस हुनु,
- निर्णय लिन नसक्नु वा कठिन हुनु,
- आत्महत्याका विचार आउनु,

शारीरिक र व्यवहारिक लक्षणहरूः
- निन्द्रा कम लाग्नु तथा सुत्न नसक्नु,
- भोक नलाग्नु वा अत्यधिक भोक लाग्नु,
- तौलमा परिवर्तन आउनु,
- सामान्य काममा थकान महसुस हुनु,
- पुरै शरीर दुख्नु वा शरीरका कुनै भागमा पीडा महशुस हुनु,
- सामाजिक गतिविधिमा चासो नहुनु,

यस्ता लक्षण देखिएमा चिकित्सकको परामर्श लिऔं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

कोरोना परीक्षण किट अभाव

बैतडी, २५ जेठ । भारतमे कोरोना सङ्क्रमण फैलटी रहल बेला सीमानाका झुलाघाट स्वास्थ्य केन्द्रमे कोरोना परीक्षण कैना किट अभाव हुइल बा । नाकामे होल्डिङ सेन्टरसमेत नैहो ।

ओम्हे जनशक्ति ओ उपकरण अभाव होके थप समस्या सिर्जना हुइल बा । संघीय सरकार मातहत रहना मेरके गैल कोरोना सङ्क्रमणके बेला स्थापना हुइल झुलाघाट स्वास्थ्य केन्द्र भाडाके घरमे सञ्चालित बा ।

दुई जाने ल्याब असिस्टेन्ट ओ एक जाने सहयोगी कर्मचारीके भरमे चलल् स्वास्थ्य केन्द्रमे स्वास्थ्यकर्मी बैठ्ना कोठा नैहोके डेरामे बैठ्टी आइल बटै । झुलाघाट नाकासे दैनिक दुई सय मनैनके आवतजावत हुइना रलेसे फेन स्वास्थ्य केन्द्रमे अब्बे ७५ किट किल रहल ल्याब असिस्टेन्ट राजेन्द्र लोहार बटैलै ।

उहाँ उपलब्ध किट फेन गैल कोरोनाके बेला बचल किट दराजमे रहल बटैलै । भारतमे कोरोना सङ्क्रमण फैललेसे फेन शक्तास्पद व्यक्तिके किल कोरोना परीक्षण कैना तयारी रहल उहाँ बटैलै । झुलाघाट नाकासे बैतडी, बझाङ, बाजुरा, डोटी ओ हुम्ला जुम्लासमके नेपाली ओहोरदोहोर कैना हुइल ओरसे सङ्क्रमित फेला परलेसे फेन होल्डिङ सेन्टर नैरहल ल्याब असिस्टेन्ट लोहार बटैलै ।

अपने ल्याब असिस्टेन्ट रलेसे फेन ल्याब नैरहल ओरसे स्वाब परीक्षण करक लाग जिल्ला अस्पताल पठाइबर सङ्क्रमितहे सुरक्षित बैठैना ठाउँ नैरहल उहाँ बटैलै । स्वास्थ्य केन्द्रमे सुरक्षाकर्मीके व्यवस्था नैरहल ओरसे शंकास्पद व्यक्तिहे रोकके कोरोना परीक्षण कैना कर्रा हुइटी रहल बटैलै ।

झुलाघाट स्वास्थ्य केन्द्रमे जनशक्ति अभाव ओ होल्डिङ सेन्टर नैहोके स्वास्थ्यकर्मीहे काम कैना कठिनाइ हुइल स्वास्थ्य कार्यालय बैतडीके सूचना अधिकारी विपिन लेखक बटैलै ।

उहाँ कहलै, "अन्तर्राष्ट्रिय नाका रहल ओरसे केन्द्रके स्वास्थ्यकर्मीके तलब सङ्घीय सरकारसे बेहोरठ् । स्वास्थ्य केन्द्रके अपने भवन नैहोके भाडामे बैठे परल बा । भाडा, पानी बिजुलीके शुल्क प्रदेश सरकार मातहतके स्वास्थ्य कार्यालयसे उपलब्ध करैटी आइल बा । सुपरिवेक्षणके काम दशरथ चन्द नगरपालिका मातहत रहल बा ।"

स्वास्थ्य केन्द्रमे अस्थायी करारके स्वास्थ्यकर्मी कार्यरत रहल ओरसे कोठा भाडा ओ टरटिहारके पेस्की सुविधा नैरहल स्वास्थ्यकर्मीके गुनासो रहल बा । हेल्थ डेस्कके जिम्मेवारीके विषयमे फेन स्पष्ट व्यवस्था नैरहल स्वास्थ्य कार्यालयके सूचना अधिकारी लेखक बटैलै । गैल बरस स्वास्थ्यकर्मीके तलब नै गायब होके बल्लतल्ल खोजी कैके उपलब्ध कराइल उहाँ बटैलै ।

सीमानाकाके स्वास्थ्य केन्द्र विपतके बेला किल नैहोके औरे बेला फेन आवश्यक पर्ना रहल ओरसे स्वास्थ्यकर्मीके स्थायी दरबन्दी कायम कैके व्यवस्थित बनाइ पर्ना झुलाघाटके स्थानीय विजय भाट बटैलै ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिंड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिंड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९